Some of the Media Coverage

FICCIની NTIM મીટ સમાપ્ત થતાં ગુજરાત ટુરિઝમ મોટા પાયે રોકાણ લક્ષ્યો પર પહોંચ્યું

મુંબઈ, શુક્રવાર

ફેડરેશન ઓફ ઇન્ડિયન ચેમ્બર્સ ઓફ કોમર્સ એન્ડ ઇન્ડસ્ટ્રી (FICCI)ની ૬ ઠ્ઠી નેશનલ ટુરિઝમ ઇન્વેસ્ટર્સ મીટ (NTIM) ૨૪ સપ્ટેમ્બર, શુક્રવારે સમાપ્ત થઈ.

ગુજરાત ટુરિઝમે રોકાણકારોની મીટમાં ભાગ લીધો હતો. ૨-દિવસીય ઇવેન્ટનો હેતુ મુસાફરી અને પર્યટનમાં રોકાણને પ્રોત્સાહિત કરવાનો અને કોવિડ પછીના યુગમાં ભારતના પ્રવાસન ઉદ્યોગને ફરી શરૂ કરવાનો છે.

ઇવેન્ટનો બીજો દિવસ રોકાણકારો અને રાજ્યો વચ્ચેના વ્યવસાયિક જોડાણથી ભરેલો હતો.

શ્રીમતી તૃપ્તિ વ્યાસ, આઇએએસ એચઆર એડમિન સ્કિલ આઈટી એન્ડ ઇન્વેસ્ટમેન્ટ, ગુજરાત સરકાર, કલરફુલ ગુજરાત પર ભાર મૂકે છે જેમાં દ્વારિકા અને સોમનાથ જેવા આધ્યાત્મિક સ્થળો, બ્લુફ્લેગ સર્ટિફિકેટ સાથે કુદરતી વન્યજીવન અને દરિયાકિનારા, જૂનાથી નવા શહેર, ધોલાવીરાથી

ગિફ્ટ સિટી, ગુજરાતના આર્કિટેક્ટ, યુનેસ્કો વર્લ્ડ હેરિટેજ સાઇટ્સ વિશે વાત કરી હતી.

ગવર્નમેન્ટ ઓફ ઇન્ડિયા મિનિસ્ટ્રી ઓફ ટુરિઝમના જોઇન્ટ સેક્રેટરી શ્રી રાકેશકુમાર વર્માએ જણાવ્યું કે, જો તમે ભારતની સંભાવનાઓ પર નજર નાખો તો તે શબ્દોની બહાર છે. આઈકોનિક ટુરિઝમ ડેસ્ટિનેશનનો વિકાસ ભારત સરકારની નવી યોજના છે, જે મૂડી પ્રોત્સાહક રોકાણને ટેકો આપશે. ઇઝ ઓફ ડુઇંગ બિઝનેસમાં મહારાષ્ટ્રએ આ પ્રેક્ટિસ કરી છે. આપણે જનહિત પણ જોવાની જરૂર છે. આર્થિક આધારને બદલે, ઇકો-ટુરિઝમ વગેરે તરીકે ટુરિઝમ માટે ઘણા વિશિષ્ટ સ્થાન છે. રોકાણ માત્ર નાણાંકીય જ નહી પરંતુ સહયોગ અને જ્ઞાન હોવું જોઈએ. ઘાઈલેન્ડ જેવો દેશ ગોલ્ફ ટુરિઝમ તરફ સખત મહેનત કરી રહ્યો છે.

FICCIનાં ટ્રાવેલ, ટુરિઝમ એન્ડ હોસ્પિટાલિટી કમિટીના ચેરમેન અને લલિત સુરી હોસ્પિટાલિટી ગ્રુપના સીએમડી ડો. જ્યોત્સના સુરીએ જણાવ્યું હતું કે, "આ મીટ એક મોટી સફળતા હતી અને ટુરિઝમ ઉદ્યોગના વિસ્ફોટ માટે વધાંક સાબિત થશે. કોવિડ પછી, સમગ્ર દેશમાં ટુરિઝમને પુનર્જીવિત કરવા માટે ફિક્કીની આગેવાની હેઠળની આ એક જબરદસ્ત પહેલ છે.

"ગુજરાત ટુરિઝમ પોલિસી ૨૦૨૧-૨૦૨૫ હીરેન મેડિકલ ટુરિઝમ, સ્પેશિયલ ટુરિઝમ ઝોન, MICE, મરવાન ટુરિઝમ અને માર્ગદર્શિકાઓ માટે પગાર સહાય પર ધ્યાન કેન્દ્રિત કરે છે.

૧૫% -૨૦% પ્રોત્સાહન પાત્ર ટુરિઝમ યુનિટ માટે કેપિટલ રોકાણ છે. જો જરૂરી હોય તો લીઝ પર જમીન ઉપલબ્ધ છે.

फिक्की ने नेशनल टूरिज्म इन्वेस्टर मीट का किया आयोजन

गुड़गांव, 25 सितम्बर (अ): कोरोना महामारी से उपजी आर्थिक समस्याओं से पर्यटन उद्योग को उबारने के लिए फेडरेशन आफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा 2 दिवसीय नेशनल टूरिज्म इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र सरकार व संस्था से जुड़े प्रतिनिधि भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। फिक्की के सह अध्यक्ष नवीन कुण्डू ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कोविड के बाद के युग में देश के पर्यटन उद्योग को फिर से लॉन्च करने के लिए टूरिज्म के आधारभूत ढांचे में निवेश को प्रोत्साहित करना है जोकि इस समय की सबसे बड़ी जरुरत है। बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री नारायण प्रसाद ने कहा कि बिहार में यात्रा और पर्यटन में अपार अवसर हैं। बिहार हर थाली में बिहारी व्यंजन अभियान के तहत देश की सभी प्लेटों में राजकीय व्यंजनों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की संयुक्त सचिव उषा पाध्येय ने कह कि आने वाले समय में टीकाकरण की तेजी को देखते हुए पर्यटन के असीमित विकास की पूरी उम्मीद है।

TE GALLERY

FICCI's National Tourism Investors meet

To revive the tourism industry in India post Covid, the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) organized the 6th National Tourism Investors Meet (NTIM) on September 23 and 24. The event was conducted at Federation House 1, Tansen Marg, New Delhi, abiding by all Covid safety protocols. With this event, FICCI aims to catapult India's tourism industry in the post-Covid era and to encourage investment in tourism infrastructure development. The 6th edition of the National Tourism Investors Meet brought together different stakeholders from the Investment and business community along with the Ministry of Tourism, State Govts, and Financial Institutions. To elevate the India's tourism industry to new heights, experts explored the potential of investment in the tourism sector during the event.

कोविड महामारी से उभरकर फिक्की ने नेशनल टूरिज्म इन्वेस्टर मीट का किया आयोजन

गुरुग्राम. कोरोना महामारी से उपजी आर्थिक समस्याओं से पर्यटन उद्योग को उबारने के लिए फेडरेशन आफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंडइंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा 2 दिवसीय नेशनल टूरिज्म इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र सरकार व संस्था से जुड़े प्रतिनिधि भीबड़ी संख्या में शामिल हुए। फिक्की के सह अध्यक्ष नवीन कुण्डू ने बतायाकि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कोविड के बाद के युग में देश के पर्यटनउद्योग को फिर से लॉन्च करने के लिए टूरिज्म के आधारभूत ढांचे में निवेशको प्रोत्साहित करना है जोकि इस समय की

सबसे बड़ी जरुरत है। बिहार सरकारके पर्यटन मंत्री नारायण प्रसाद ने कहा कि बिहार में यात्रा और पर्यटनमें अपार अवसर हैं। बिहार हर थाली में बिहारी व्यंजन अभियान के तहत देशकी सभी प्लेटों में राजकीय व्यंजनों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की संयुक्त सचिव उषा पाध्येय ने कहा कि आने वालेसमय में टीकाकरण की तेजी को देखते हुए पर्यटन के असीमित विकास की पूरीउम्मीद है। डा. ज्योत्सना सूरी ने कहा कि भारतीय पर्यटन उद्योग में विकासकी असीमित संभावनाएं हैं। देश में कोरोना की महामारी अब कम हो गई है

जोएक सकारात्मक संकेत है जिससे पर्यटन उद्योग फिर से उबर सकता है। इस आयोजनमें कई प्रतिनिधि वेबिनार के माध्यम से जुड़े।

हेडलाइन-फिक्की छठे नेशनल टूरिज्म इंवेटर्स मीट का आयोजन 23 और 24 सितंबर को कराने के लिए पूरी तरह से तैयार

दिल्ली, 20 सितंबर : भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री में फिर से नई जान फूंकने की कोशिश में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) छठा नेशनल टूरिज्म इनवेस्टर्स मीट (एनटीआईएम) 23 और 24 सितंबर को आयोजित करेगी। यह इवेंट नई दिल्ली में तानसेन मार्ग पर स्थित 1, फेडरेशन हाउस पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन में सभी सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा।इस आयोजन के माध्यम से फिक्की का उद्देश्य कोविड के बाद के युग में देश के पर्यटन उद्योग को फिर से लॉन्च करने के लिए टूरिज्म के आधारभूत ढांचे में निवेश को प्रोत्साहित करता है। यह इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। नेशनल टूरिज्म इनेस्टर्स मीट के छठे संस्करण में पर्यटन मंत्रालय, राज्य सरकार और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों समेत निवेश और कारोबारी समुदाय से जुड़े विभिन्न हितधारक एक ही प्लेटफॉर्म पर एकत्रित होंगे। इवेंट के दौरान विशेषज्ञ देश में पर्यटन के उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की निवेश की संभावना का पता लगाएंगे। एनटीआईएम का सबसे बड़ा संस्करण माने जाने वाले इस आयोजन से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के आकर्षित होने की उम्मीद है। इस दो दिवसीय इवेंट के उद्घाटन समारोह में बिहार सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री नारायण प्रसाद, भारत सरकार में पर्यटन विभाग के महानिदेशक श्री जी. कमलावर्धन राव और संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन, तकनीकी सहयोग और सिल्क रोड डिवेलपमेंट (यूएनटीडब्ल्यूओ) श्री सुमन बिल्ला

ने अपनी उपस्थिति से इवेंट की शोभा में चार चांद लगाए। इस इवेंट में विभिन्न राज्य सरकारों की ओर से अपने-अपने प्रदेश में निवेश के योग्य पर्यटन सेक्टरों की प्रेजेंटेशन की जाएगी। इस कार्यक्रम में बिहार, गुजरात, राजस्थान, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकार समेत विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधि अपने-अपने राज्य में निवेश के अनुकूल टूरिज्म परियोजनाओं का प्रदर्शन करेंगी। फिक्की की ट्रैवल, टूरिज्म और हॉस्पिटिलिटी कमिटी के अध्यक्ष और ललित सूरी हॉस्पिटिलिटी ग्रुप की सीएमडी डॉ. ज्योत्सना सूरी ने कहा, हमभारतीय पर्यटन उद्योग में विकास की असीमित संभावनाएं हैं। भारत और अन्य देशों में कोरोना की महामारी अब कम हो गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है, जिससे यह सेक्टर फिर से उभर सकता है। एनटीआईएम की कई राज्य सरकारों के साथ भागीदारी है। विभिन्न राज्य सरकारों के प्रतिनिधि अपने राज्य के पर्यटन सेक्टर में निवेश की संभावनाओं को निवेशकों के सामने पेश कर उन्हें प्रोत्साहित करेंगे। मुझे पूरी तरह से यह विश्वास है कि एनटीआईएम का यह सेशन घरेलू अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करेगा और इससे निश्चित रूप से पर्यटन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। फिक्की का मजबूती से विश्वास है कि भारतीय पर्यटन उद्योग में निवेश की संभावनाओं की पूरी तरह खोज करेंगे। रणनीतिक योजना से निवेश के लिहाज से इंटरनेशनल टूरिज्म मैप पर भारत पर्यटन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा। नागेश एंडरसन, एलएलपी की हटूरिज्म इनवेस्टमेंट पोटेंशियल इन इंडियाह नॉलेज रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी में पर्यटन उद्योग का योगदान 6.9 फीसदी और देश के कुल लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने में 8 फीसदी का योगदान है। नॉलेज रिपोर्ट के अनुसार भारत की पर्यटन इंडस्ट्री की 3.5 फीसदी की वार्षिक दर के साथ विकास की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भविष्यवाणी की गई है कि 2029 तक भारतीय टूरिज्म सेक्टर का विकास 35 ट्रिलियन रुपयों (488 बिलियन डॉलर) तक पहुंचने और 6.7 फीसदी की दर से होने की उम्मीद है। पर्यटन उद्योग पूरी अर्थव्यवस्था में 9.2 फीसदी का योगदान देती है। भात में इस अवधि में 30.5 मिलियन से ज्यादा विदेशी मेहमानों के भारत में आगमन की उम्मीद है।